लागत में वृद्धि हो जाने के कारण परियोजनाओं का धीमी गति से पूरा होना

*63 श्रीमती सुषमा स्वराज :

डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 1 जून, 1992 को "300 सेंट्रल प्रोजेक्ट्स ग्रिप्ड बाई टाइम एण्ड कास्ट ओवररन" शीर्षक से छपे समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि वर्तमान में चल रही परियोजनाओं के निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा न होने के कारण देश इन परियोजनाओं के लाभ से वंचित रह जाता है और निरन्तर हो रही मूल्य वृद्धि के कारण उनकी लागत बढ़ जाती है; और

(ग) यदि हां, तो मार्च 1992 के अंत तक उन चालू परियोजनाओं की कुल संख्या कितनी थी जो अपने निर्धारित समय-सीमा से पीछे चल रही थीं तथा प्रत्येक मामले में लागत में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है ?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुख राम) : (क) और (ख) जी, हां।

(ग) कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग की प्रबोधन प्रणाली जिसमें प्रत्येक 20 करोड़ रुपए एवं उससे अधिक लागत वाली केन्द्रीय परियोजनाएं शामिल हैं, के अनुसार 190 केन्द्रीय परियोजनाएं मार्च 1992 के अंत तक अनुमोदित निर्धारित समय-सीमा से पीछे थीं। इन परियोजनाओं की नवीनतम स्वीकृत लागत के संदर्भ में समग्र लागत वृद्धि की प्रतिशतता 40.5 प्रतिशत थी जो मूल्य वृद्धि सहित अनेक कारणों से है। सभी विलंबित परियोजनाओं की लागत वृद्धि से प्रभावित नहीं हुई है। अलग-अलग परियोजनाओं के संबंध में लागत वृद्धि का ब्यौरा कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग द्वारा जारी की गई जनवरी-मार्च, 1992 की तिमाही की तिमाही परियोजना कार्यान्वयन स्थिति में उपलब्ध है। यह रिपोर्ट राज्य सभा सचिवालय के पुस्तकालय में उपलब्ध है।

Interest shown by Foreign Countries in Indian Jute Product*

@ *64. SHRI SUKOMAL SEN : will the Minister of TEXTILES be pleated to btate :—

(a) whether it is a fact that European Community, Japan, Australia and New Zealand have shown interest in Indian jute and jute products ;

(b) if so, the details thereof; and

(c) in what manner Government propose to capitalise the new found markets for Indian jute and jute goods ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) and (b) Importer* of jute goods, including those in the European Economic Community, Japan, Australia & New Zealand, have evinced interest in both traditional as well as diversified jute products manufactured in India.

(c) Government have laid special emphasis on reorientation of R&D activities for development & marketing of diversified jiffe products to suit consumer preferences abroad. JMDC, a statutory body under the Government of India, undertakes multidimensional activities for promotion of jute exports including participation in international fairs, organising buyers'-sellers' meets, commissioning of market studies, liaising with importers & end-users and conducting publicity campaigns.

@ Previously Starred Question 24, transferred from the 9th July, 1992.